Fourteenth Loksabha

Session : 5
Date : 26-07-2005
Participants : Singh Shri Prabhunath,Modi Shri Sushil Kumar,Jha Shri Raghunath,Chatterjee Shri Somnath

>

Title: Regarding dissolution of Bihar Vidhan Sabha.

MR. SPEAKER: Mr. Prabhunath Singh, although this is not the method of raising the matter, since everybody is not following the rules today, you can do it.

श्री रघुनाथ झा (बेतिया) : सर, इनके बाद हमें भी बोलने का मौका दें।

अध्यक्ष महोदय : हम आपको भी मौका देंगे। अभी आप थोड़ा मेहरबानी करके बैठिये।

श्री रघुनाथ झा : हम बहुत कम बोलते हैं और हम आपकी बात मानते हैं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, हम आपको बुलायेंगे। हमने आपके लीडर को भी बुलाया था। हम लोग सुनने की आदत भूल गये, किसी को सुनेंगे नहीं, खाली बोलेंगे।

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, सम्पूर्ण विश्व में भारतीय लोकतंत्र की महानता की चर्चा होती है। हमें भी अपने लोकतंत्र पर ग र्व है। बिहार विधान सभा का चुनाव हुआ था और महामहिम राज्यपाल की जो संवैधानिक जिम्मेदारी थी, उन्होंने उस जिम्मेदारी का निर्वाह न करते हुए ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You just refer to the matter.

श्री प्रभुनाथ सिंह : हम आपको शॉर्ट में बता रहे हैं। हम इसमें आपसे सिर्फ यह आश्वासन चाहते हैं कि आप इस पर कब बहस करायेंगे। हम आपको ब्रीफ में बता रहे हैं।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : यह सबजुडिस मामला है।

MR. SPEAKER: You are not bound by his statement. Why are you bothered?

श्री प्रभुनाथ सिंह : विधान सभा के सदस्यों का शपथ ग्रहण भी नहीं हुआ था और नीतीश कुमार के नेतृत्व में बहुमत इकट्ठा हो चुका था। दूसरे ही दिन वह बहुमत का दावा करने वाले थे। लेकिन एक साजिश के तहत...(व्यवधान)

कुँवर मानवेन्द्र सिंह (मथुरा) : वहां विधायकों को खरीदा गया था।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप लोग क्या करते हैं।

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded except what Mr. Prabhunath Singh says.

(Interruptions) ... *

MR. SPEAKER: Kunwar Manvendra Singh, I am sorry, I will have to take action against you. I am very sorry. You are a senior Member, you had been in the House before.

* Not Recorded.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: You are a senior Member. You are in the House for quite long time. Before you make a speech, I will allow you to make a speech at an appropriate time. You cannot go on interrupting like this.

… (*Interruptions*)

श्री प्रभुनाथ सिंह : अध्यक्ष महोदय, अभी माननीय सदस्य की तरफ से टिप्पणी की गई है कि विधायकों को खरीदा गया था। हम इस पर ज्यादा चर्चा नहीं करना चाहते हैं, लेकिन विधायकों की खरीद-फरोख्त का मामला इनके भूतपूर्व प्रधानमंत्री और बिहार के राज्यपाल पर चला था। इस पर उन्हें जानकारी है या नहीं, अगर जानकारी नहीं है तो उन्हें जानकारी ले लेनी चाहिए। मैं यह कहना चाहता हूं कि जिस ढंग से आधी रात को…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You want a discussion. You have mentioned it. I have said that it is under my consideration, I have to see it. I have to get the Supreme Court Order and if they say, I will certainly hear you again. I am not against this.

… (*Interruptions*)

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आपको बोलने का मौका दिया जाएगा।

श्री सुशील कुमार मोदी (भागलपुर) : इनके पास खरीद-फरोख्त का कोई प्रमाण नहीं है। कोई एफआइआर अभी तक दर्ज नहीं की गई है और एक भी व्यक्ति ने शिकायत नहीं की है कि किसी का अपहरण किया गया है, लेकिन केवल भाजपा या जेडीयू की सरकार न बने, श्री नीतीश कुमार मुख्यमंत्री की शपथ न ले सकें और एक साजिश के तहत … * 26 सांसदों के बल पर ब्लैकमेल किया गया और बिहार की विधान सभा को भंग करवा दिया। आप सदन की कार्यवाही तत्काल स्थगित करें। हम लोगों ने काम रोको प्रस्ताव दिया है, उस पर चर्चा करवाई जाए। यह संविधान के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है, लोकतंत्र का अपमान किया गया है…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: Name should not be recorded.

… (*Interruptions*)

श्री रघुनाथ झा : अध्यक्ष महोदय…(व्यवधान)

* Not Recorded.

MR. SPEAKER: This is not the way to raise it. You are a very experienced Legislator. Shri Raghunath Jha, please.

श्री रघुनाथ झा : यह बात सही है कि बिहार विधान सभा के चुनाव में किसी एक दल को बहुमत नहीं मिला, लेकिन यह बात भी सही है कि बिहार में राट्रीय जनता दल सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी है…(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You associate yourself with him. No, I will not allow you. You can associate.

श्री रघुनाथ झा : बिहार के इतिहास में ही नहीं बल्कि देश के इतिहास में भी अगर आप देखेंगे यह पहला मौका है…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यह क्या मजाक हो रहा है?

...(व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : बिहार में सरकार बनाने के लिए किसी भी दल के पास बहुमत नहीं था। न ही श्री नीतीश कुमार के पास और न ही भारतीय जनता पार्टी के पास बहुमत था।...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You know what is the breach of privilege. Shall I send your matter to the Committee of Privileges?

... (*Interruptions*)

श्री रघुनाथ झा : सभी दलों ने जा कर कहा कि ... *को सरकार बनाने का मौका नहीं दिया जाना चाहिए।...(व्यवधान)।

MR. SPEAKER: Very well, then I will send your matter to the Committee of Privileges. We are not going into the merits.

श्री रघुनाथ झा : पार्टी ने सरकार बनाने का क्लेम किया है। सरकारिया कमीशन का रेफ्रेंस देते हैं, उसमें दिया गया है कि सिंगल सबसे बड़ी पार्टी को सरकार बनाने का मौका दिया जाना चाहिए। ...(व्यवधान) शक्ति परीक्षण होना चाहिए। महोदय, श्री अटल बिहारी वाजपेयी जी को, श्री नीतीश कुमार जी को और झारखंड में श्री शिबू सोरेन को सरकार बनाने का मौका दिया गया था... (व्यवधान)

MR. SPEAKER: You are opposing that. All right. Nothing more will be recorded.

* Not Recorded.

... (*Interruptions*)

रघुनाथ झा : तो हम लोगों को सरकार बनाने का मौका क्यों नहीं दिया गया।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप भाण मत दीजिए। आपको बोलने का मौका दिया है। आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

श्री रघुनाथ झा : उस समय श्री रामविलास पासवान जी के साथ 10 विधायक बैठे हुए थे...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : यहां बहस नहीं हो रही है। आप बैठ जाइए।

...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: You say you do not agree with them.

श्री रघुनाथ झा : इनके कहने पर ही सब कुछ हुआ है।

MR. SPEAKER: Nothing will be recorded. Why are you raising it?

*(Interruptions) ...**

श्री लालू प्रसाद (छपरा) : श्री नीतीश जी की किस्मत में बिहार का मुख्यमंत्री बनना नहीं लिखा है।

श्री सुशील कुमार मोदी : आप अगले पन्द्रह साल तक लौट कर नहीं आएंगे।

MR. SPEAKER: Dr. Thockchom Meinya.

श्री नीतीश कुमार (नालन्दा) : श्री लालू प्रसाद जी ने पोथी-पत्रा जलाने से राजनीति शुरू की, लेकिन अब हस्तरेखा विज्ञान के जानकार बन गए हैं। ...(व्यवधान)

MR. SPEAKER: It is very nice to hear some laughter here.

श्री नीतीश कुमार : ये सामाजिक न्याय का आन्दोलन चला रहे थे, लेकिन आजकल हस्तरेखा विज्ञान के जानकार बन गए हैं।

अध्यक्ष महोदय : ठीक है, हो गया। आप बैठिए।

It is a very important matter. When I allow an urgent matter to be mentioned, it is important.